मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–044

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.टी.टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिंदी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. 'अनुवाद की प्रविधि' से क्या तात्पर्य है ? अनुवाद कार्य में विभिन्न प्रविधियाँ अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए । 20

2. पुनरीक्षण से आप क्या समझते हैं ? अनुवाद की प्रक्रिया में पुनरीक्षण के महत्व की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

3. अनुवादक के दायित्वों की व्याख्या कीजिए। 20

4. 'रूपांतरण' शब्द-प्रयोग की व्याप्ति की चर्चा करते हुए रूपांतरकार के लिए अपेक्षित गुणों का वर्णन कीजिए। 20

5. 'लिप्यंकन, लिप्यंतरण और अनुवाद' पर निबंध लिखिए। 20

6. 'पार्श्व वाचन' (वॉयस ओवर) और अनुवाद में अंतर्संबंध और अंतर पर प्रकाश डालिए। 20

7. 'मशीनी अनुवाद की चुनौतियाँ' पर निबंध लिखिए। 20

8. सिंधी कोश साहित्य के उद्‌भव की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए सिंधी के प्रथम शब्दकोश के बारे में लिखिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$

   (क) अनुवाद मूल्यांकन

   (ख) सारानुवाद : सीमाएँ और संभावनाएँ

   (ग) पारिभाषिक शब्दावली की सहज और नियोजित विकास प्रक्रिया

   (घ) देश-विभाजन पश्चात् सिंधी की पारिभाषिक शब्दावली का विकास

× × × × ×